Roll No. ..... Total Pages : 9

BCE/M-20 **12251**

FINANCIAL ACCOUNTING–II

Paper : BC-201

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note : Attempt *five* questions. Question No. 1 is compulsory. Q. No. 1 is of 20 marks and rest are of 15 marks each.

नोट : **पाँच** प्रश्न करें। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। प्रथम प्रश्न 20 अंक का है और शेष प्रत्येक 15 अंकों के हैं।

Compulsory Question (अनिवार्य प्रश्न)

1. Explain the following :

(a) Accounting treatment of goods-in-transit.

(b) Features of instalment-payment method.

(c) Accounting treatment of interest on capital.

(d) Calculation of Gaining ratio.

(e) Compulsory dissolution of a firm.

निम्न का वर्णन करें:

(क) रास्ते में माल का लेखांकन।

(ख) किश्त-भुगतान पद्धति की विशेषताएँ।

(ग) पूंजी पर ब्याज का लेखांकन।

(घ) लाभ अनुपात की गणना।

(ङ) फर्म का अनिवार्य समापन।

2. Journalise the transactions in the books of hire purchaser and hire vendor under hire-purchase system.
किराया क्रय-पद्धति में किराया क्रेता एवं किराया-विक्रेता की पुस्तकों में प्रविष्टियां करें।

3. What is Goodwill ? Discuss various factors affecting it. Pass journal entries of goodwill at the time of retirement of a partner in the books of firm.
ख्याति क्या है? इसको प्रभावित करने वाले घटकों का वर्णन करें। एक फर्म की पुस्तकों में एक साझेदार के अवकाश समय पर ख्याति की प्रविष्टियां करें।

4. Write notes on :

(a) Revaluation account and Realisation account.

(b) Partnership deed.

नोट लिखें :

(क) पुनर्मूल्यांकन खाता एवं वसूली खाता।

(ख) साझेदारी संलेख।

5. Ram purchased a Van for ₹ 4,20,000. Payment is made as ₹ 1,00,000 down and four instalments of ₹ 1,00,000 each at the end of each year. Interest is charged @ 10% p.a. Buyer depreciates the van @ 10% p.a. on written down value method.

Ram could not pay the second instalment and hire vendor took possession of the Van. The hire vendor after spending ₹ 12,800 on repairs of Van sold it for ₹ 3,10,000.

Show ledgers accounts is the books of hire vendor.

राम ने एक वैन ₹ 4,20,000 में खरीदी! ₹ 1,00,000 का भुगतान तभी कर दिया और शेष राशि को चार किश्तों में ₹ 1,00,000 प्रति किश्त प्रति वर्ष की दर से देना किया। ब्याज 10% प्रति वर्ष की दर से होगा। क्रेता 10% प्रति वर्ष दर से ह्रास घटती कीमत पद्धति से चार्ज करता है।

राम दूसरी देय किश्त का भुगतान नहीं कर पाया! विक्रेता ने वैन को अपने कब्जे में लिया। ₹ 12,800 मरम्मत पर खर्च करके उसने वैन को ₹ 3,10,000 में बेच दिया।

किराया विक्रेता की पुस्तकों में खातों को दिखायें।

6. XYZ Ltd. has two branches at AB Nagar and RS Nagar. The goods are invoiced to branches at cost plus 50%. Branches remit all cash received to H.O. and all expenses are met by H.O.

XYZ Ltd. की ए.बी. नगर और आर.एस. नगर में दो शाखाएं हैं। शाखाओं को माल लागत मूल्य + 50% पर भेजा जाता है। शाखाओं द्वारा सभी प्राप्त रोकड़ को मुख्य कार्यालय भेजा जाता है और सभी व्ययों का भुगतान मुख्य कार्यालय द्वारा किया जाता है।

From the following particulars, prepare required accounts under stock and debtors systems of AB nagar Branch.

निम्न विवरणों से स्टाक एवं देनदार पद्धति के अन्तर्गत आवश्यक खातों को ए.बी. नगर शाखा के लिए बनाएं।

	AB Nagar Branch (₹)	RS Nagar Branch (₹)
Opening stock at invoice price	93,000	1,56,000
Opening debtors	68,000	87,000
Goods sent by H.O. at cost	3,40,000	3,60,000

Cash sales	2,50,100	3,50,000
Credit sales	3,10,000	3,01,000
Cash from Debtors	3,04,000	2,98,000
Goods returned by debtors	12,000	15,000
Goods returned by B.O. to H.O.	15,000	—
Goods transferred to branch from RS branch to AB Nagar branch	21,000	21,000
Susplus stock	—	3,000
Shortage stock	4,500	—
Discount to customers	2,000	3,500
Branch expenses	54,000	67,000

	AB Nagar Branch (₹)	RS Nagar Branch (₹)
प्रारम्भिक रहतिया बीजक मूल्य पर	93,000	1,56,000
प्रारम्भिक देनदार	68,000	87,000
मुख्य कार्यालय द्वारा लागत पर भेजा माल	3,40,000	3,60,000
नकद बिक्री	2,50,100	3,50,000
उधार बिक्री	3,10,000	3,01,000
देनदारों से रोकड़	3,04,000	2,98,000
देनदारों से माल वापिसी	12,000	15,000
शाखा द्वारा माल वापिसी	15,000	—
आर.एस. शाखा से ए.बी. शाखा को माल हस्तांतरित	21,000	21,000
माल का आधिक्य	—	3,000
माल की कमी	4,500	—
Discount to customers	2,000	3,500
Branch expenses	54,000	67,000

7. X and Y were partners in a firm for 3 : 2 sharing ratio. Their Balance sheet as on 31st December, 2019 was as follows :
एक्स और वाई एक फर्म में 3 : 2 के लिए साझेदार थे। 31 दिसम्बर, 2019 को उनकी स्थिति विवरण इस प्रकार थी :

Balance Sheet as on 31-12-2019

Liabilities	Amt. (₹)	Assets. (₹)	Amt. (₹)
Capital		Buildings	19,500
X	20,800	Furniture	2,400
Y	14,600	Stock	11,400
Creditors	6,000	Debtors	10,800
BIP	3,300	Cash	6,600
Reserve	7,000	Bank	4,000
Employees Provident Fund	3,000		
	54,700		54,700

Liabilities	Amt. (₹)	Assets. (₹)	Amt. (₹)
पूंजी		भवन	19,500
X	20,800	फर्नीचर	2,400
Y	14,600	स्कन्द	11,400
लेनदार	6,000	देनदार	10,800
देय बिल	3,300	नकद	6,600
संचय	7,000	बैंक	4,000
कर्मचारी भविष्य निधि	3,000		
	54,700		54,700

On Ist January, 2020, Z was admitted into firm for 1/3rd share and X and Y continued their old sharing ratio.

1-1-2020 को Z को 1/3 हिस्से के लिए फर्म में प्रवेश दिया गया जबकि X और Y ने अपना पुराना अनुपात जारी रखा।

On Z's admission, following changes were made :

(i) Debtors reduced by 5% and creditors increased by 10%.

(ii) Building appreciated to 125%.

(iii) Furniture depreciated to 80%.

(iv) A contingent liability of ₹ 5,000 became certain liability.

(v) Z bring goodwill of ₹ 15,000 in cash.

Z will bring his capital as per his share in the firm.

Prepare revaluation account, Partners' Capital Accounts and Balance Sheet.

Z के आने पर निम्न में परिवर्तन हुआ :

(क) देनदार 5% कम हुए और लेनदार 10% बढ़े।

(ख) भवन बढ़कर 125% तक हुआ।

(ग) फर्नीचर ह्रास होकर 80% रह गया।

(घ) ₹ 5,000 का सम्भावित दायित्व निश्चित दायित्व बन गया।

(ङ) Z ₹ 15,000 की ख्याति नकद लेकर आया।

Z अपनी पूंजी अपने अंश के अनुसार लायेगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारी के पूंजी खाते और स्थिति विवरण बनायें।

8. A, B and C were partners sharing profits and losses in proportion of their capitals. Their balance sheet was as follow on 31st March, 2020.

ए, बी और सी साझेदार थे और लाभ-विभाजन पूंजी के अनुपात में करते थे। उनकी स्थिति विवरण 31 मार्च, 2020 को इस प्रकार है।

Liabilities	Amt. (₹)	Asset. (₹)	Amt. (₹)
Creditors	1,74,000	Cash at Bank	10,000
P/L A/c	1,26,000	Debtors 2,35,000	
		Provision for doutful	
		debts 12,000	2,23,000
Capital			
A	4,00,000	Stock	2,17,000
B	3,00,000	Machinery	3,50,000
C	2,00,000	Land and Building	4,00,000
	12,00,000		12,00,000

On this day B decided to retire on following terms that :

(i) G.W. of the entire firm was fixed at Rs. 2,52,000 and B's share of it be adjusted into the accounts of A and C who will share future profits in the ratio of 4 : 3. G.W. was to be passed through the books without raising a goodwill account.

(ii) Land and building increased to 110%.

(iii) Machinery reduced to 80%.

(iv) Provision for doubtful debt is not required.

(v) The entire capital of the new firm be fixed at ₹ 7,00,000 between A and C in the proposition of 4 : 3 by paying off excess in cash or bring in deficit as the case may be.

Prepare necessary accounts and Balance Sheet of the new firm.

इस दिन B ने अवकाश ग्रहण करने का निर्णय लिया इन निम्न शर्तों पर :

(क) फर्म की कुल ख्याति ₹ 2,52,000 तय हुई। बी का ख्याति अंश ए और सी में समायोजित करना था जिनका भविष्य में लाभ अनुपात 4 : 3 होना तय हुआ। ख्याति खाता खोले बिना समायोजित करना था।

(ख) भूमि और भवन बढ़कर 110% हो गये।

(ग) मशीनरी कम होकर 80% रह गई।

(घ) देनदारों पर आयोजन की आवश्यकता नहीं है।

(ङ) नई फर्म को पूंजी ₹ 7,00,000 होगी जो ए और सी की नई विभाजन 4 : 3 अनुपात में होगी। पूंजी आधिक्य अथवा कमी को नकद वापिस करके या मंगवा कर पूरा किया जायेगा।

आवश्यक खाते बनाएं और नई फर्म का स्थिति विवरण तैयार करें।

9. X, Y and Z commenced business on Ist January, 2018 with capital of ₹ 10,00,000; ₹ 8,00,000 and ₹ 6,00,000 respectively. Profit sharing ratio was 4 : 3 : 3 respectively. Capital carry interest @ 5% p.a.

During 2018 and 2019 they made profits of ₹ 4,00,000 and ₹ 5,00,000 before allowing interest on capital. Drawing of each partner was ₹ 1,00,000 per year.

On 31st December, 2019 the firm was dissolved. Creditors on that date were ₹ 2,40,000. The assets realised net amount of ₹ 26,00,000.

Prepare all necessary accounts.

एक्स, वाई और जेड ने 01 जनवरी, 2018 को ₹ 10,00,000; ₹ 8,00,000 और ₹ 6,00,000 क्रमशः से व्यवसाय शुरू किया। लाभ विभाजन अनुपात क्रमशः 4 : 3 : 3 था। पूंजी पर ब्याज 5% प्रति वर्ष तय हुआ।

2018 और 2019 वर्ष के दौरान उनको ₹ 4,00,000 और ₹ 5,00,000 के लाभ पूंजी पर ब्याज से पहले हुए। प्रत्येक साझेदार का प्रतिवर्ष का आहरण ₹ 1,00,000 था।

31 दिसम्बर, 2019 को फर्म भंग कर दी गई। उस दिन लेनदार ₹ 2,40,000 के थे। सम्पत्तियों से शुद्ध राशि ₹ 26,00,000 मिले।

सभी आवश्यक खाते बनाएं।